BSES

बाढ़ पीड़ितों के बीच बीएसईएस ने बांटे, 5 हजार फूड पैकेट्स

- पैकेट्स बांटने के लिए चार टीमें बनाई गईं
- हर टीम में 5 से 10 कर्मचारी
- पैकेट्स में पौष्टिक व जल्दी खराब न होने वाले खाद्य पदार्थ

नई दिल्ली : 15 सितंबर, 2008। दिल्ली प्रशासन का हाथ बंटाते हुए, बीएसईएस बाढ़ पीड़ितों को मदद पहुंचाने के काम में मुस्तैदी से जुट गई है। कंपनी ने कल और आज अपने क्षेत्र के बाढ़ पीड़ित इलाकों में 5 हजार फूड पैकेट्स बांटे। फूड पैकेट्स में खास तौर पर उन आयटमों को शामिल किया गया है, जो पौष्टिक तो हैं ही, साथ ही लंबे समय तक खराब भी नहीं होंगे।

बीएसईएस ने फूड पैकेट्स बांटने के लिए चार टीमें बनाई हैं। प्रत्येक टीम में 5 से 10 कर्मचारियों को रखा गया है। खास बात यह है कि फूड पैकेट्स बांटने के काम को कंपनी के टॉप मैनेजमेंट की देखरेख में अंजाम दिया जा रहा है।

बहरहाल, जिन बाढ़ पीड़ित इलाकों व पुनर्वास कैंपों में कंपनी फूड पैकेट्स बांट रही है, उनमें प्रमुख हैं:

- बाटला हाउस / जाकिर नगर
- आईएसबीटी
- उस्मानपुर
- पुराना यमुना पुस्ता

इस पूरे मसले पर बीएसईएस के सीईओ श्री अरूण कंचन ने कहा, "कॉरपोरेट्स भी समाज का एक अभिन्न अंग हैं और उन्हें जरूरत के समय, लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। बल्कि यह, हम में से हर किसी की जिम्मेदारी है कि हम समाज को अपना योगदान दें। हम उम्मीद करते हैं कि ज्यादा से ज्यादा कॉरपोरेट्स, समाज केंद्रित पहल के साथ आगे आएंगे।"

उल्लेखनीय है कि पिछले साल आई बाढ़ में भी बीएसईएस ने बढ़–चढ़कर राहत कार्य में हिस्सा लिया था और फूड पैकेट्स बांटे थे। पिछले वर्ष बिहार में आई बाढ़ में बीएसईएस व उसके कर्मियों ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 50 लाख रूपये का योगदान दिया था। इसके अलावा, पिछली ठंड में, पूर्वी दिल्ली स्थित कुष्ठ आश्रम के निवासियों के बीच कपड़े आदि भी बांटे थे। बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, सच तो यह है कि कॉरपोरेट– सोशल रेस्पांसिबिलिटी बीएसईएस की फिलॉसफी का एक अभिन्न अंग है और कंपनी की ओर से इस पर खास ध्यान दिया जाता है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304